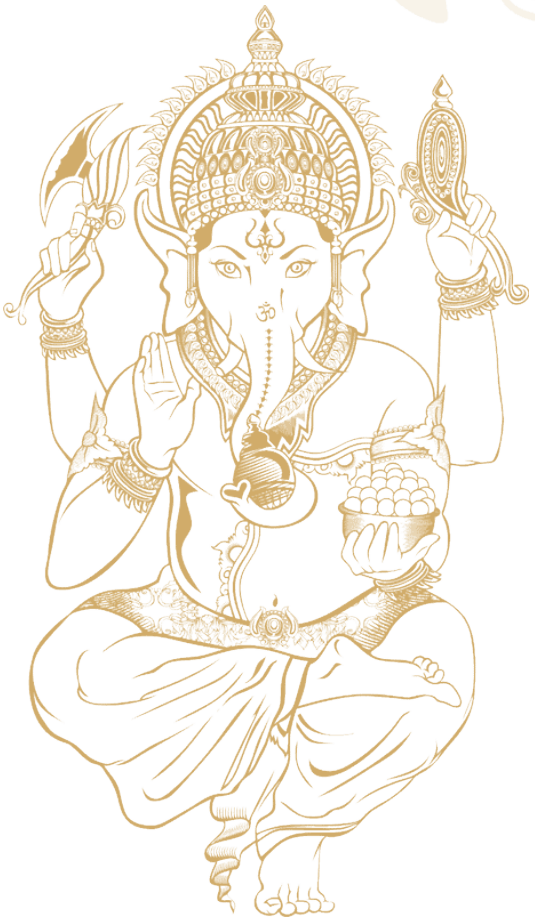

# Hitesh

# Prachi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120931801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120931801 Date: 14/01/2026

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 13/06/1994 | जन्म तिथि | 20/06/1998 |
| सोमवार | दिन | शनिवार |
| घंटे 10:30:00 | जन्म समय | 12:25:00 घंटे |
| घटी 12:36:15 | जन्म समय(घटी) | 17:21:43 घटी |
| India | देश | India |
| Hissar | स्थान | Rohtak |
| 29:10:00 उत्तर | अक्षांश | 28:54:00 उत्तर |
| 75:45:00 पूर्व | रेखांश | 76:38:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:27:00 | स्थानिक संस्कार | -00:23:28 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:27:30 | सूर्योदय | 05:25:25 |
| 19:26:32 | सूर्यास्त | 19:24:28 |
| 23:47:00 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:01 |

| | | |
|---|---|---|
| सिंह | लग्न | कन्या |
| सूर्य | लग्न लग्नाधिपति | बुध |
| कर्क | राशि | मेष |
| चन्द्र | राशि-स्वामी | मंगल |
| पुष्य | नक्षत्र | अश्विनी |
| शनि | नक्षत्र स्वामी | केतु |
| 3 | चरण | 4 |
| व्याघात | योग | अतिगण्ड |
| विष्टि | करण | बालव |
| हो-होशियार | जन्म नामाक्षर | ला-लक्ष्मी |
| मिथुन | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मिथुन |
| विप्र | वर्ण | क्षत्रिय |
| जलचर | वश्य | चतुष्पाद |
| मेष | योनि | अश्व |
| देव | गण | देव |
| मध्य | नाड़ी | आद्य |
| मेष | वर्ग | मृग |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि 5वर्ष 3मा 10दि | | 03:09:41 | सिंह | लग्न | कन्या | 04:59:51 | केतु 0वर्ष 2मा 27दि | |
| शुक्र | | 28:11:21 | वृष | सूर्य | मिथु | 04:55:43 | चन्द्र | |
| 23/09/2023 | | 12:57:47 | कर्क | चंद्र | मेष | 12:52:22 | 16/09/2024 | |
| 23/09/2043 | | 21:15:25 | मेष | मंगल | वृष | 25:10:38 | 16/09/2034 | |
| शुक्र | 22/01/2027 | 14:37:11 | मिथु व | बुध | मिथु | 16:41:47 | चन्द्र | 17/07/2025 |
| सूर्य | 22/01/2028 | 11:31:06 | तुला व | गुरु | मीन | 03:00:15 | मंगल | 15/02/2026 |
| चन्द्र | 22/09/2029 | 03:44:52 | कर्क | शुक्र | वृष | 01:09:27 | राहु | 17/08/2027 |
| मंगल | 22/11/2030 | 18:32:19 | कुंभ | शनि | मेष | 07:11:19 | गुरु | 16/12/2028 |
| राहु | 22/11/2033 | 29:43:59 | तुला व | राहु व | सिंह | 09:57:59 | शनि | 17/07/2030 |
| गुरु | 23/07/2036 | 29:43:59 | मेष व | केतु व | कुंभ | 09:57:59 | बुध | 17/12/2031 |
| शनि | 23/09/2039 | 01:50:18 | मक व | हर्ष व | मक | 18:28:01 | केतु | 17/07/2032 |
| बुध | 24/07/2042 | 28:58:41 | धनु व | नेप व | मक | 07:47:04 | शुक्र | 18/03/2034 |
| केतु | 23/09/2043 | 02:12:38 | वृश्चि व | प्लूटो व | वृश्चि | 12:15:05 | सूर्य | 16/09/2034 |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:47:00  चित्रपक्षीय अयनांश  23:50:01**

## लग्न-चलित

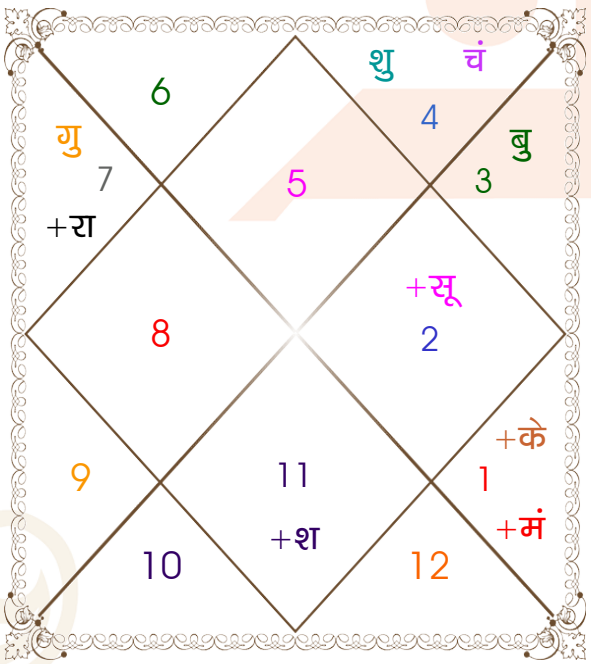


## लग्न-चलित

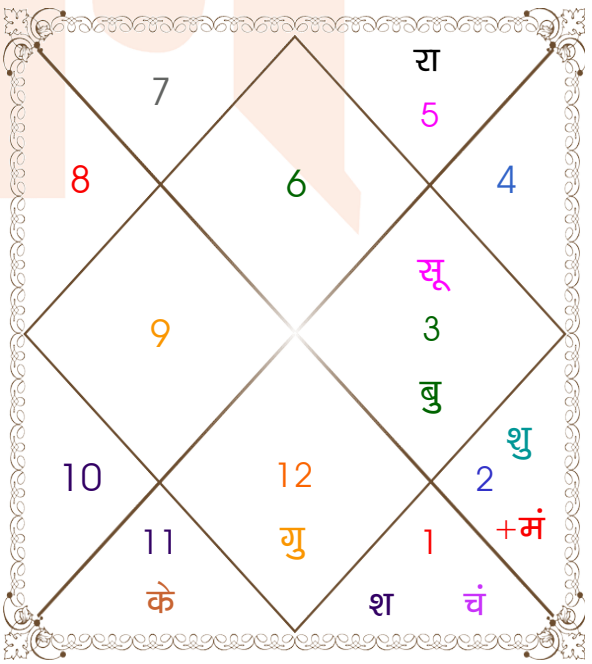

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मेष | अश्व | 4 | 3.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | चन्द्र | मंगल | 5 | 4.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | कर्क | मेष | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 31.50 | | |

कुल : **31.5 / 36**

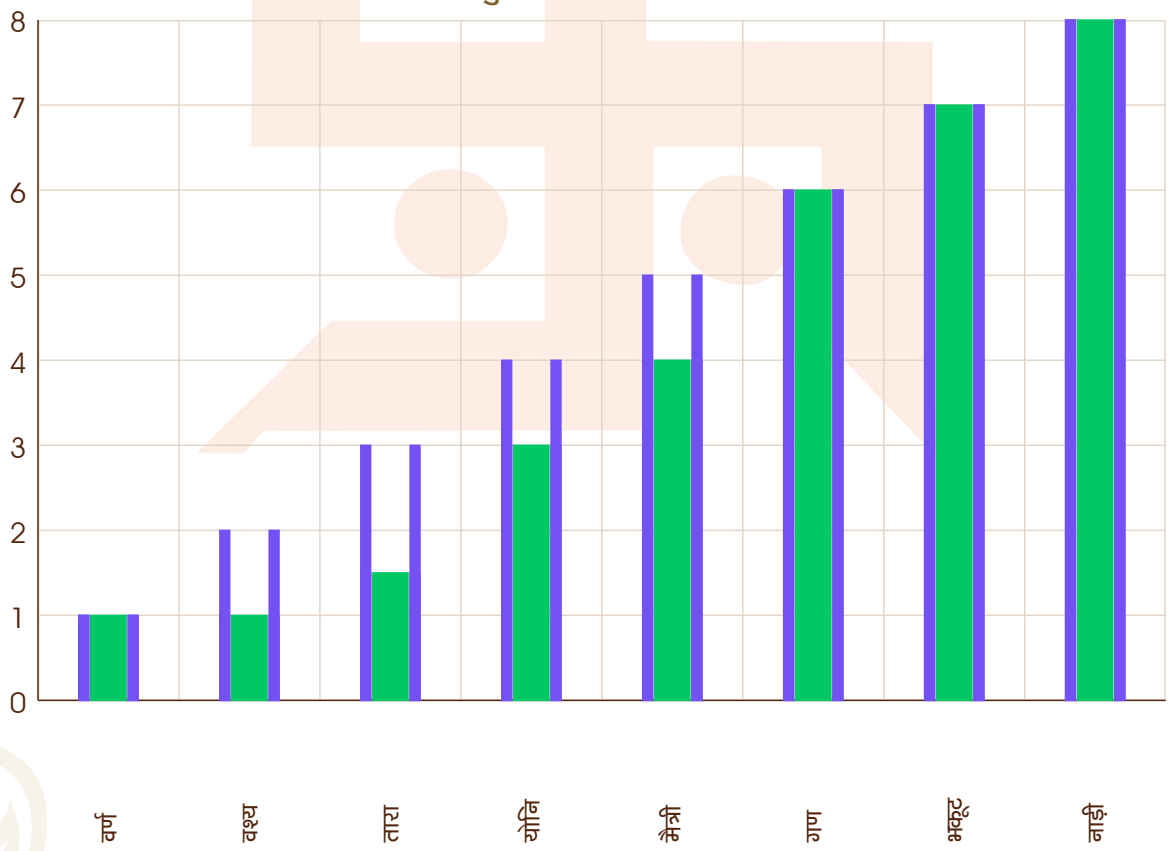

# अष्टकूट मिलान

Hitesh का वर्ग मेष है तथा Prachi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Hitesh और Prachi का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Hitesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Prachi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Hitesh तथा Prachi में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Hitesh का वर्ण ब्राह्मण तथा Prachi का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Prachi में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Prachi आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Prachi सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

## वश्य

Hitesh का वश्य जलचर है एवं Prachi का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

## तारा

Hitesh की तारा मित्र तथा Prachi की तारा विपत है। Prachi की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Hitesh एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Prachi का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

## योनि

Hitesh की योनि मेष है तथा Prachi की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी

मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Hitesh का राशि स्वामी Prachi के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Prachi का राशिस्वामी Hitesh के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

## गण

Hitesh का गण देव तथा Prachi का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

## भकूट

Hitesh से Prachi की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Prachi से Hitesh की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Hitesh एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Prachi को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Prachi हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

## नाड़ी

Hitesh की नाड़ी मध्य है तथा Prachi की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ

तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Hitesh की जन्मराशि कर्क तथा Prachi की राशि मेष है। कर्क राशि जलतत्व तथा मेषराशि अग्नितत्व हैं। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जलतत्व में परस्पर असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है अतः इसके प्रभाव से Hitesh और Prachi के मध्य स्वभावगत विषमताएँ रहेंगी जिससे दाम्पत्य सम्बंधों में मधुरता न्यून ही रहेगी। अतः यह मिलान विशेष उत्तम नही रहेगा।

Hitesh का राशिस्वामी चन्द्र तथा Prachi का राशिस्वामी मंगल परस्पर मित्र तथा समभाव में पड़ते है। अतः सामंजस्य की अवस्था मे यह ग्रहस्थिति शुभ रहेगी इसके प्रभाव से Hitesh और Prachi परस्पर एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा दोषों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इससे दोनों के मध्य विवादों में न्यूनता आएगी तथा दाम्पत्य जीवन के सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

Hitesh और Prachi की राशियां परस्पर चतुर्थ तथा दशम भाव में पड़ती हैं यह एक शुभ भकूट है। इसके शुभ प्रभाव से आप दोनों के जीवन में मधुरता का भाव रहेगा तथा Hitesh ओर Prachi परिश्रमपूर्वक सुख साधनों को अर्जित करके सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगे। साथ ही Hitesh अपने स्वाभाविक गुणों से Prachi को प्रसन्न करने में सफल रहेंगे फलतः आपस में प्रेम लगाव एवं आकर्षण का भाव रहेगा।

Hitesh का वश्य जलचर तथा Prachi का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से जलचर तथा चतुष्पद में समानता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से Hitesh एवं Prachi की अभिरूचियाँ समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में समता रहेगी। साथ ही कामभावनाओ की पूर्णता भी रहेगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में भी समर्थ रहेंगे।

Hitesh का वर्ण ब्राह्मण तथा Prachi का वर्ण क्षत्रिय है। Hitesh की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में अधिक रहेगी तथा Prachi साहसिक एवं पराक्रमी कार्यो में रूझान रखेगी। अतः कार्य क्षेत्र में Hitesh और Prachi प्रगति एवं समृद्धि प्राप्त करेगे।

## धन

Hitesh और Prachi दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

## स्वास्थ्य

Hitesh की नाड़ी मध्य तथा Prachi की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Hitesh और Prachi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Hitesh और Prachi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Prachi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Prachi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Prachi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Hitesh और Prachi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Hitesh और Prachi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Prachi के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Prachi अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Prachi पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Prachi अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

## ससुराल-श्री

Hitesh के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Hitesh के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Hitesh के प्रति सामान्य ही रहेगा।